बिज़नेस स्टैंडर्ड
भारत का पहला संपूर्ण हिंदी आर्थिक अखबार

बकौल विश्लेषक

देश के लिए रोजगार सृजन बड़ी चुनौती

देश पिछले 75 वर्षों में तेजी से प्रगति कर 3.3 लाख करोड़ डॉलर अर्थव्यवस्था के साथ विश्व की छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया। वह आईटी व आईटीईएस जैसे क्षेत्रों में बड़ी प्रगति के साथ कृषि प्रधान से सेवा आधारित अर्थव्यवस्था के रूप में विकसित हुआ है। विनिर्माण क्षेत्र में भी स्टील, वाहन और दवाई जैसे क्षेत्रों में प्रभावशाली प्रगति की है। देश में सड़क नेटवर्क, रेलवे प्रणाली, हवाईअड्डा व बंदरगाह क्षेत्र में भी बहुत प्रगति हो रही है। प्रति व्यक्ति खपत अभी भी कम होने से भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास की क्षमता काफी है। हालांकि एक समृद्ध राष्ट्र के सपने को हासिल करने के लिए सबसे बड़ी चुनौती भारत के बड़े कार्यबल को रोजगार देने की है। इसके लिए अर्थव्यवस्था में विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी बढ़ाने के साथ ही कार्यबल को उचित रूप से कुशल बनाना महत्त्वपूर्ण है। शिक्षा—स्वास्थ्य पर सरकारी खर्च जीडीपी का 7.5 फीसदी है, जो अभी भी कम है।

बातचीतः रामवीर सिंह गुर्जर

रजनी सिन्हा
मुख्य अर्थशास्त्री, केयर एज (केयर रेटिंग्स लिमिटेड)